28 June Faculty Development Program for School Principals on Online Teaching

04 खबर मन्त्र रांची, मंगलवार 29.06.2021 रांची सिटी

इक्फाई विश्वविद्यालय का ऑनलाइन शिक्षण पर फैक्ल्टी विकास कार्यक्रम

फैकल्टी प्रशिक्षण और सुविधा सफल कार्यान्वयन की कुंजी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा स्कूल के प्रधानाचार्यों और वरिष्ठ शिक्षकों के लिए ऑनलाइन शिक्षण और सीखने पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 130 से अधिक प्रधानाचार्य, विभाग प्रमुख, तथा वरिष्ठ शिक्षकओ ने झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा के विभिन्न स्कूलों और जूनियर कॉलेजों से भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि कोविड-19 महामारी ने डिजिटल शिक्षण में बदलाव को गति दी है। हालांकि सीखने का

प्रौद्योगिकी-सक्षम ब्लेंडेड लर्निंग मॉडल नए सामान्य, कोविड के बाद भी बना हुआ है। यह आवश्यक है कि सभी शिक्षक शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपकरण को उपयोग करें कि जिससे की कक्षाओं को छात्रों के लिए अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाया जाए।

स्वाध्याय लर्निंग सिस्टम के सफल कार्यान्वयन में इक्फाई विश्वविद्यालय के अनुभव को बताते हुए प्रो राव ने कहा कि वर्तमान स्थिति शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और इसे और अधिक समावेशी बनाने के लिए शिक्षा के डिजिटल परिवर्तन का एक अवसर है। इंटरनेट बैंडविड्थ जैसी ढांचागत चुनौतियों का सामना करने के लिए, स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर उपयुक्त तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, फैकल्टी प्रशिक्षण और सुविधा सफल कार्यान्वयन की कुंजी है।

आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य अभय कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के छात्र तकनीक के जानकार हैं और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने का आनंद लेते हैं। उन्होंने विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय से शिक्षकों के लिए इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया। अनिल कुमार गुप्ता, संस्थापक-प्राचार्य, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल, बोकारो ने कहा, हालांकि प्रौद्योगिकी एक शिक्षक की जगह नहीं ले सकती है, पर यह निश्चित रूप से शिक्षक को छात्रों को बेहतर ढंग से जोड़ने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकती है। कार्यक्रम का संचालन इक्फाई विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रो डॉ सुदीप्त मजूमदार ने और प्रो शिव शंकर शुक्ला और प्रो अमर गुप्ता के तकनीकी सहयोग से किया। इक्फाई समूह के सूचना विभाग के मुख्य प्रबंधक सुमित राठौर ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कहा कि हम प्रिंसिपल और एचओडी से उत्साहजनक प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। हमारे विश्वविद्यालय को अपने अनुभव साझा करने और भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने में खुशी होगी। इस कार्यक्रम में प्रो. अरविंद कुमार, रजिस्ट्रार, डॉ. भगत बारिक, सहायक डीन और वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया।

खबर मन्त्र Tue, 29 June 2021
https://epaper.dailykhabarmantra.com/c/61473008

Morning India
www.sanmarglive.com
Ranchi, Wednesday
30 June 2021

CAMPUS/ JOBS

The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

ICFAI University conducts Faculty Development Program for School Teachers on "Online Teaching"

A Faculty Development Program for School Principals and Senior Teachers on "Online Teaching and Learning" was organised by ICFAI University, Jharkhand, wherein over 130 Principals, Heads of Departments, Senior Teachers from various Schools and Junior Colleges from Jharkhand, Bihar, West Bengal and Orissa participated.

Welcoming the participants to the program, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor, ICFAI University said, "COVID-19 Pandemic accelerated the shift to Digital Teaching-Learning. However, Technology-enabled Blended Learning model of learning has come to stay even in the new normal, post COVID. It is essential that all teachers deploy educational technology tools to ensure that classes are made more interesting and interactive for the students." Narrating the experience of the ICFAI University in successful implementation of Swaadhyay Learning System, Prof Rao said, "Current situation is an opportunity for digital transformation of education to improve the quality of education and make it more inclusive. In the face of infrastructural challenges like internet bandwidth, appropriate technology needs to be used, depending on the local conditions. Besides , Faculty Training and facilitation is the key for successful implementation".

Sri Abhay Kumar Singh, Principal, Army Public School, Ranchi said "Current generations Students are tech savvy and enjoy learning through technology. I appreciate the initiative of the ICFAI University to conduct the Faculty development Program so as to prepare our teachers for digital teaching. I request the University to conduct more such programs for the teachers".

Sri Anil Kumar Gupta, Founder-Principal, Crescent Public School, Bokaro said, "Though Technology cannot replace a teacher, it can certainly help the teacher to engage the students better and ensure that learning is more effective. In this process, the teacher has to play the critical role of facilitator for learning by the students. Today's training is very useful in that regard.".

The program was conducted by Dr Sudipta Majumdar, Associate Professor of the ICFAI University, with technology support from Prof Shiv Shankar Shukla and Prof Amar Gupta. Explaining how all the faculty members of the ICFAI University have been using educational technology tools like Mentimeter, Strawpoll and Quizziz, to make the classes participative and interesting, he demonstrated same to the participants how to use them . All the participants were excited to see the live demonstrations and expressed their readiness to use the technology tools in their classes.

Mr. Sumit Rathaur, Chief Manager, ICFAI Group Information Department, proposing a vote of thanks, said, "We are overwhelmed with the enthusiastic response from the Principals and HODs. Our University will be happy to share our experiences and conduct more such programs in future. ". Prof. Arvind Kumar, Registrar, Dr. Bhagabat Barik, Asst. Dean, FMS and senior faculty members of the ICFAI University Jharkhand also participated in the program . For more details on the University activities, www.iujharkhand.edu.in may be visited.

Wed, 30 June 2021
https://epaper.sanmarglive.com/c/61492852

ऑनलाइन क्लास को रोचक और इंटरेक्टिव बनायें शिक्षक : कुलपति

■ इक्फाइ विवि में फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

रांची. इक्फाइ विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा है कि कोरोना महामारी ने डिजिटल शिक्षण व्यवस्था में बदलाव को गति दी है. यह आवश्यक है कि शिक्षक तकनीक का उपयोग करते हुए कक्षाओं को छात्र-छात्राओं के लिए अधिक रोचक और इंटरेक्टिव बनायें. डॉ राव सोमवार को विवि में स्कूल शिक्षकों के लिए ऑनलाइन फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में बोल रहे थे.

कुलपति ने कहा कि वर्तमान स्थिति शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार व इसे और अधिक कारगर बनाने के लिए शिक्षा के डिजिटल परिवर्तन का एक अवसर है. कार्यक्रम को आर्मी स्कूल के प्राचार्य अभय कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी के विद्यार्थी तकनीक के जानकार हैं. इस तकनीक के माध्यम से सीखने का आनंद लेते हैं. क्रिसेंट पब्लिक स्कूल बोकारो के प्राचार्य अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि तकनीक एक शिक्षक की

जगह नहीं ले सकती है, लेकिन यह निश्चित रूप से शिक्षक को छात्रों को बेहतर ढंग से जोड़ने में मदद कर सकती है. संचालन डॉ सुदीप्त मजूमदार ने, तकनीकी सहयोग शिव शंकर शुक्ला व अमर गुप्ता ने किया. इक्फाइ समूह के सूचना विभाग के मुख्य प्रबंधक सुमित राठौर ने धन्यवाद ज्ञापन किया. इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार, डॉ भगत बारिक आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर Tue, 29 June 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/61472970

इक्फाई विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षण पर स्कूल शिक्षकों के लिए फैकल्टी विकास कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा स्कूल के प्रधानाचार्यों और वरिष्ठ शिक्षकों के लिए ऑनलाइन शिक्षण और सीखने पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 130 से अधिक प्रधानाचार्य, विभाग प्रमुख, तथा वरिष्ठ शिक्षकओ ने झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा के विभिन्न स्कूलों और जूनियर कॉलेजों से भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, कोविड-19 महामारी ने डिजिटल शिक्षण-शिक्षण में बदलाव को गति दी है। हालाँकि, सीखने का प्रौद्योगिकी-सक्षम ब्लेंडेड लर्निंग मॉडल नए सामान्य, कोविद के बाद भी बना हुआ है। यह आवश्यक है कि सभी शिक्षक शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपकरण को उपयोग करें कि जिससे की कक्षाओं को छात्रों के लिए अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाया जाए। स्वाध्याय लर्निंग सिस्टम के सफल कार्यान्वयन में इक्फाई विश्वविद्यालय के अनुभव को बताते हुए, प्रो राव ने कहा, वर्तमान स्थिति शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और इसे और अधिक समावेशी बनाने के लिए शिक्षा के डिजिटल परिवर्तन का एक अवसर है। इंटरनेट बैंडविड्थ जैसी ढांचागत चुनौतियों का सामना करने के लिए, स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर उपयुक्त तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, फैकल्टी प्रशिक्षण और सुविधा सफल कार्यान्वयन की कुंजी हैं। आर्मी पब्लिक स्कूल, रांची के प्रधानाचार्य अभय कुमार सिंह ने कहा, वर्तमान पीढ़ी के छात्र तकनीक के जानकार हैं और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने का आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा की मैं इस संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए इक्फाई विश्वविद्यालय की पहल की सराहना करता हूं ताकि हमारे शिक्षकों को डिजिटल शिक्षण के लिए तैयार किया जा सके। मैं विश्वविद्यालय से शिक्षकों के लिए इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध करता हूं। अनिल कुमार गुप्ता, संस्थापक-प्राचार्य, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल, बोकारो ने कहा, हालांकि प्रौद्योगिकी एक शिक्षक की जगह नहीं ले सकती है, पर यह निश्चित रूप से शिक्षक को छात्रों को बेहतर ढंग से जोड़ने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकती है। इस प्रक्रिया में, शिक्षक को छात्रों द्वारा सीखने के लिए सूत्रधार की महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। इस संबंध में आज का प्रशिक्षण बहुत उपयोगी है। कार्यक्रम का संचालन इक्फाई विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुदीप्त मजूमदार ने प्रोफेसर शिव शंकर शुक्ला और प्रोफेसर अमर गुप्ता के तकनीकी सहयोग से किया। यह बताते हुए कि इक्फाई विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्य कक्षाओं को सहभागी और रोचक बनाने के लिए मेंटीमीटर, स्ट्रॉपोल और क्विज जैसे शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग कैसे कर रहे हैं, उन्होंने प्रतिभागियों को उनका उपयोग करने का तरीका दिखाया। सभी प्रतिभागी ने लाइव प्रदर्शन को देखने के लिए उत्साहित थे और उन्होंने अपनी कक्षाओं में प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग करने की इच्छा व्यक्त की। इक्फाई समूह के सूचना विभाग के मुख्य प्रबंधक, सुमित राठोर ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कहा, हम प्रिंसिपल और एचओडी से उत्साहजनक प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। हमारे विश्वविद्यालय को अपने अनुभव साझा करने और भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने में खुशी होगी। इस कार्यक्रम में प्रो. अरविंद कुमार, रजिस्ट्रार, डॉ. भगत बारिक, सहायक डीन और वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया।